RSVshield.ca

आर.एस.वी. क्या है ?

आर.एस.वी का अर्थ है रेस्पिरेटरी सिन्सिटियल वायरस। नवजात अवस्था और बचपन में फैलने वाला एक आम और साधारण वायरस होता है। लगभग 2-3 साल उम्र के सभी ब्क्षों को आर.एस.वी. संक्रमण निश्चित तौर पर हुआ होगा।[1-3]

आर.एस.वी. संक्रमण शरद काल से वसन्त काल तक कैनेडा जैसे अत्याधिक ठंडे देश में होता है, परन्तु आर.एस.वी. संक्रमण का सीजन एक देश से दूसरे देश तक आसानी से फैलता है।[1] अपने डॉक्टर से अपने इलाके में आर.एस.वी. संक्रमण के फैलने की जानकारी लेना सबसे अ%छा है।

क्या आपके ब%चे को आर.एस.वी. से बहुत अधिक बीमार होने का जोखिम है ?

बहुत सारे ब%चों में आर.एस.वी. साधारण सर्दी जुकाम जैसे ही रोगलक्षण दिखाता है।3 लेकिन कुछ ब%चों में %यादातर पूर्ण गर्भकाल के ˙ पूर्व जन्म हुए ब्क्षो, दो साल के अन्दर के जन्मजात हृदय रोग या कुछ तरह के फेफड़े की परिस्थितियों से पीड़ित, ब%चों में आर. एस.वी. के कारण फेफड़े में संक्रमण होने की संभावना है। इस परिस्थिति में ब%चे बहुत अधिक बीमार पड़ जाते है और कुछ समय तक उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाने की जरूरत भी पड़ जाती है।1-3 जीवन के पहले साल में न्यूमोनिया या श्वासनली में सूजन का मुख्य कारण आर.एस.वी. है।[1,2]

संपूर्ण गर्भ काल से पूर्व जन्म हुए ब%चे

अगर आपका ब%चा 33 सह्र्ताह के गर्भकाल से पहले पैदा हुआ था या आर.एस.वी. का दौर शुरू होने का समय 6 महीने की अन्दर का है तो उसकी आर.एस.वी. से संक्रमित होने का खतरा अत्याधिक है।[1]

बी.पी.डी. (ब्रान्को पल्मोनरी डिस्क्ष्लेसिया) (श्वासनली फूलने से हुई क्षति)

पूर्ण गर्भ काल के पूर्व पैदे हुए ब%चे जिनको यान्त्रिक संवातन (कृत्रिम सांस) दिया गया था और जिनको अधिकतर जीवन रक्षक दवाएं एवं ऑक्सीजन दी गई थी, उन ब%चों में बी.पी.डी. %यादातर दिखाई देता है।[4]

कान्जनिटल हार्ट डिजीज (सी.एच.डी.) जन्मजात हृदय रोग

जन्मजात हृदय रोग के कई प्रकार है। कुछ प्रकार के सी.एच.डी. के कारण ही आर.एस.वी. गंभीर रूप से बीमार हो जाने का जोखिम पैदा कर देता है। अगर आपके ब%चे को जन्मजात हृदय रोग है तो इस बारे में अपने डॉक्टर से विस्तार से जानकारी प्राप्त करें।[1,5]

आर.एस.वी. के रोगलक्षण ?

- बुखार
- जुकाम
- साधारण सर्दी जुकाम जैसे अन्य रोग लक्षण[1,3]

जब आर.एस.वी. फेफड़ों के अन्दर घुस जाता है तो उसके रोगलक्षण और भी गहरे और बुरे बन सकते है, जो कि इस प्रकार हैं:

- गहरी और बार-बार खांसी
- घरघराहट (सीटी जैसी आवाज के साथ) और सांस तेज होना और सांस लेने में मुश्किल
- नीले होंठ और हाथ ठंडे होना
- शरीर में पानी की कमी
- मां से स्तन पान या बोतल से दूध पीने में मुश्किल[3]

क्या आर.एस.वी. से संक्रमित होना आसान है ?

हां। आर.एस.वी. से संक्रमित होना आसान है।

- संक्रमित रोगी को छूने, चूमने या हाथ मिलाने जैसे शारीरिक स्पर्श से फैलने वाला आर.एस.वी एक आम वायरस है।[1,6]
- आर.एस.वी. के रोगाणु हवा के द्वारा भी संक्रमित व्यक्ति की खांसी या छींक से भी फैलता है।[1,6]
- सार्वजनिक एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों और ब%चों को दिन में देख-भाल करने केन्द्र में आर.एस.वी. संक्रमण आम बात है।[1]

आपको अपने ब%चे को आर.एस.वी. संक्रमण से सुरक्षित रखने और सावधान रहने के लिए यही उपाय हैं।

आर.एस.वी. संक्रमण का जोखिम कम करने के लिए कुछ उपयोगी कदम

- अपने ब%चे को छूने से पहले हाथों को गरम पानी या एल्कोहॉलिक तरल से धो लीजिए।[1]
- अगर आप ही को सर्दी या बुखार है तो अपने ब%चे को चूमने के बदले सिर्फ गले लगाएं।[6]
- सर्दी या बुखार से पीड़ित किसी भी व्यक्ति को अपने ब%चे से दूर रखें।˙
- सार्वजनिक स्थलों जैसे कि ब%चों की दैनिक देख-भाल क्षेत्र, मार्केट एवं शॉपिंग मॉल आदि और पारिवारिक समारोह से अपने ब%चे को दूर रखिए।[1,6]
- ब%चे के आस पास धूम्रपान मत कीजिए। अपने घर के अन्दर धूम्रपान से सभी को मना करें।[1]

आर.एस.वी.

याद रखिए कि

आर.एस.वी. अत्याधिक संक्रामक है और इस विवरणिका में दिए हुए निर्देशों का अनुसरण आपके ब्क्षो को आर.एस.वी. संक्रमण का जोखिम कम कर सकता है। अगर आपको आर.एस.वी. संबंधी कोई भी प्रश्न है तो अपने डॉक्टर या नर्स से परामर्श लें।